जिला अम्बाला में बहुत से ऐसे नागरिक | या एम आधार ऐप के माध्यम से | अपडेट करवाएं।

मानवता की सेवा के मिशन को रखेंगे जारी:गुरुदेव को मिली डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि

अंबाला कवरेज@ अंबाला। उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति कर कई बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की सेवा की। उनके इस योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने बौद्ध लोक मावठा कोलंबो में उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि से सम्मानित किया। छिब्बर ने कहा कि वह विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। ये जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने पत्रकारवार्ता में दी। फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन छिब्बर ने कहा कि 40 साल में देश-विदेश के सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की सेवा की और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

आपके पास है कोई भी खबर या फिर आप भी प्रकाशित करवाना चाहते है अंबाला कवरेज न्यूज पेपर व वैब चैनल पर विज्ञापन तो संपर्क करें:- 82955-63043

गुरुदेव दत्त छिब्बर को डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा

अम्बाला, 13 फरवरी (नितिन कुमार)। उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरूदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रहम वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरूदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है।

उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रैंस हॉल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया।

ਭਾਈ ਛਿੱਬਰ ਦਾ ਕੋਲੰਬੋ ਵਿੱਚ ਸਨਮਾਨ

ਮੀਡੀਆ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਭਾਈ ਗੁਰਦੇਵ ਦੱਤ ਛਿੱਬਰ। -ਫੋਟੋ: ਢਿੱਲੋਂ

ਅੰਬਾਲਾ: ਅਮਰ ਸ਼ਹੀਦ ਭਾਈ ਮਤੀ ਦਾਸ ਦੇ ਵੰਸ਼ ਵਿੱਚੋਂ, ਮੈਕਲੀਨ ਐਂਡ ਅਰਗਸ ਫਾਰਮਾਸਿਊਟੀਕਲ ਲਿਮ. ਅੰਬਾਲਾ ਕੈਂਟ ਦੇ ਬਾਨੀ ਅਤੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਉਦਯੋਗਪਤੀ ਭਾਈ ਗੁਰਦੇਵ ਦੱਤ ਛਿੱਬਰ ਨੂੰ ਨੈਲਸਨ ਮੰਡੇਲਾ ਪੀਸ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਨੇ 4 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਕੋਲੰਬੋ (ਸ੍ਰੀਲੰਕਾ) ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਆਫ ਹਿਊਮੈਨਿਟੀ ਦੀ ਉਪਾਧੀ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਅੰਬਾਲਾ ਕੈਂਟ ਦੇ ਉਦਯੋਗਪਤੀਆਂ ਵਿਚ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਧ ਆਮਦਨ ਕਰ ਦੇਣ ਵਾਲੇ ਭਾਈ ਛਿੱਬਰ ਨੂੰ ਇਹ ਉਪਾਧੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵੱਲੋਂ ਕਰੋਨਾ ਕਾਲ ਦੌਰਾਨ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਕਈ ਦੇਸ਼ਾਂ ਵਿਚ ਸਸਤੀਆਂ ਅਤੇ ਅਸਰਦਾਰ ਦਵਾਈਆਂ ਭੇਜ ਕੇ ਮਰੀਜ਼ਾਂ ਦੀਆਂ ਜਾਨਾਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੇਵਾ ਲਈ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸ੍ਰੀ ਛਿੱਬਰ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਭਵਿੱਖ ਵਿਚ ਵੀ ਉਹ ਪੂਰੇ ਵਿਸ਼ਵ ਵਿਚ ਮਾਨਵਤਾ ਦੀ ਸੇਵਾ ਦੇ ਆਪਣੇ ਮਿਸ਼ਨ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਰੱਖਣਗੇ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਪਤਨੀ ਰੇਣੂ ਛਿੱਬਰ, ਪੁੱਤਰ ਪਵਨ ਛਿੱਬਰ ਅਤੇ ਪਰਿਵਾਰ ਦੇ ਹੋਰ ਮੈਂਬਰ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

-ਨਿੱਜੀ ਪੱਤਰ ਪ੍ਰੇਰਕ

सम्मान

एंटी कोविड दवाइयों की पूर्ति कर हजारों लोगों की बचाई जान

गुरुदेव छिब्बर को डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी के पुरस्कार से किया सम्मानित

फास्ट मीडिया

अंबाला (अनिल दत्ता)। एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति करके हजारों बहुमूल्य जिंदगियों को बचाने वाले गुरुदेव छिब्बर को इस अभूतपूर्व योगदान के लिए श्रीलंका की नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा।

इस उपलब्धि से समूचे अम्बाला में खुशी की लहर है ।कोलंबो में आयोजित सैरामनी में पारिवारिक सदस्यों की उपस्थिति में उन्हें जो यह उपाधि मिली है उसकी वीडियो भी प्रेसवार्ता में दिखाई। जान ले कि जीडी एक जानी मानी हस्ती है जिन्हें दवाइयों के निर्माता और निर्यातक के रूप में ही नही बल्कि नंबर वन टैक्स पेयर के रूप में भी जाना जाता है। कई देशों में उन की निर्मित दवा को भेजा जाता है। पत्रकार वार्ता में बताया गया कि नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का विजन मानव संसाधन के विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। इस प्रकार अचीवर्स ऑफ चैलेंजर्स के बेहतर प्रबंधन, कुशल और प्रभावी कार्यान्वयन को सक्षम करना है। मानव कल्याण और प्रतिष्ठा को लाभ पहुंचाने वाले नेताओं की सराहना करना और उन्हे प्रोत्साहित करना है। नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी के मिशन में उस प्रक्रिया को उत्प्रेरित करने के लिए जिससे अचीवर्स, चैलेंजर्स और समुदाय अपनी ताकत और अपने जीवन और कौशल की गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों का उपयोग करते हैं। नए सामाजिक प्रतिमान विकसित करने के लिए जिसके अंतर्गत व्यापक योजनाओं एवं समुदायों के बेहतर और आदर्श जीवन का निर्माण कर सकती हैं जिनके साथ वे काम करते हैं। इसी के साथ सामाजिक गतिशीलता, चेतना, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए समर्पित लोगों के संगठनों के माध्यम से न्याय और समानता मे निहित सामाजिक विकास को सक्षम करने के लिए, विकास में कम प्रतिनिधित्व वाले अचीवर्स और चैलेंजर्स की भागीदारी सुनिश्चित करना, संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों के माध्यम से उपलब्धियों की अभिव्यक्ति को मजबूत करना ये सब भी मिशन में शामिल हैं।

इस अवसर पर जीडी भाई को कई सामाजिक एवम धार्मिक। संस्थाओं ने उन की इस उपलब्धि पर सम्मानित किया। पत्रकारों से बातचीत में भाई जी डी छिब्बर ने कहा कि मिलने पर उनका यह सपना पूरा हो गया है। इस उपाधि के मिलने पर वे अपने आप को काफी गौरवांतित महसूस करते हैं। इस से मुझे मानव सेवा करने के लिये और बल मिला है ।

शिवजयंती महोत्सव को लेकर भव्य कार्यक्रम का किया आयोजन

- शिव के अलावा ओर किसी को हम 'परम-आत्मा' नहीं कहते, शंकर को देवता की उपाधि

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्थित राजयोग केंद्र शांति धाम में शिव जयंती महोत्सव को लेकर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी शैली बहन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीती बहन ने मंच संचालन किया। मुख्य वक्ता रायपुररानी राजयोग केंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी किरण बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा शिव जयंती का पावन पर्व आने से पहले ही सब में खुशी की लहर आ जाती है। ऐसी शिवजयंती जिसके लिए कहा जाता है कि शिव परमपिता परमात्मा का जन्मदिन या शादी समारोह कहे तो दोनों ही तरफ से है तो खुशियों भरा दिन। यह दिन हम ईश्वर के इस धरा पर अवतरण के समय की याद में मनाते हैं। शिव के अलावा ओर किसी को भी हम 'परम-आत्मा' नहीं कहते। ब्रह्मा, वष्णिु, शंकर को देवता कहते है। बाकि सभी मनुष्य हैं। तो हम उसी निराकार परमपिता (सभी आत्माओ के रूहानी बाप) के अवतरण का यादगार दिवस मनाते है। समारोह में मुख्य अतिथि शहर के मशहूर कारोबारी भाई गुरदेव दत्त छब्बिर अपनी धर्मपत्नी रेणु छब्बिर जी के साथ समारोह में पधारे थे। गुरदेव दत्तने कहा ब्रह्माकुमारी आश्रम में आकर वे खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। बहनों के पवत्रि वायुमंडल में आने का उन्हें सौभाग्य मिला जिसके लिए वे तहेदिल से भाई राकेश मेहता का आभार करते हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा की जा रही सेवाएं वश्वि के कोने कोने में पहुंच रही है। अब ये किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। ब्रह्माकुमारी शांति का दूसरा नाम है। जानी मानी हस्तियों की उपस्थिति में झंडा फहराया । कुमारी सना ने अपने बेहद सुंदर नृत्ये के द्वारा सबका दिल जीत लिया।

अंबाला। समारोह में मुख्यअतिथि कारोबारी जीडी छब्बिर ब्रह्मकुमारी बहनों के साथ।

शिव जयंती से पहले आती हैं खुशियां : किरण

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्थित राजयोग केंद्र शांति धाम में शिव जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी शैली व प्रीती ने मंच संचालन किया। मुख्य वक्ता रायपुररानी राजयोग केंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी किरण बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा कि शिव जयंती का पावन पर्व आने से पहले ही सभी में खुशी की लहर आ जाती है। शिव जयंती शिव परमपिता परमात्मा का जन्मदिन या शादी समारोह कहें तो दोनों ही तरफ से है तो खुशियों भरा दिन। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में गुरदेव दत्त छिब्बर व रेणु छिब्बर मौजूद रही। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी शांति का दूसरा नाम है। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सविता बहन ने बताया कि शिव के साथ रात शब्द इसलिए जुड़ा है क्योंकि वे अज्ञान की अंधेरी रात में इस सृष्टि पर आते हैं। जब सारा संसार, मनुष्य मात्र अज्ञान रात्रि में, अर्थात माया के वश हो जाता है, जब सभी आत्माएं पांच विकारों के प्रभाव से पतित हो जाती हैं, जब पवित्रता और शान्ति, सत्य, धर्म व स्वयं की आत्मिक सत्य पहचान हम भूल जाते हैं।

राजयोग केंद्र शांति धाम में आयोजित शिव जयंती महोत्सव में भाग लेतीं ब्रह्माकुमारी व अन्य। संवाद

ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्तिथ राजयोग केंद्र शांति धाम अंबाला कैंट में शिव जयंती महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित

शिव के अलावा किसी ओर को हम परम-आत्मा नहीं कहते : राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी

आज समाज नेटवर्क

अंबाला। ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्तिथ राजयोग केंद्र शांति धाम, 36-37, दयाल बाग, अम्बाला कैंट में शिव जयंती महोत्सव का कार्यक्रम किया। राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी शैली बहन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीती बहन ने मंच संचालन किया। मुख्य वक्ता रायपुरानी राजयोग केंद संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी किरण बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहा शिवजयंती का पावन पर्व आने से पहले ही सब में खुशी की लहर आ जाती है। ऐसी शिवजयंती इसलिए कहा जाता है कि शिव परमपिता परमात्मा का जन्मदिन या शादी समारोह कहे तो दोनों ही तरफ से है तो खुशियों भरा दिन।

यह दिन हम ईश्वर के इस धरा पर अवतरण के समय की याद में मनाते हैं। शिव के अलावा और किसी को भी हम 'परम-आत्मा' नहीं कहते। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को देवता कहते है। बाकि सभी है मनुष्य। तो हम उसी निराकार परमपिता (सभी आत्माओ के रूहानी बाप) के अवतरण का यादगार दिवस मनाते है।

मुख्य अतिथि शहर के मशहूर कारोबारी भाई गुरदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में आकर मैं खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। बहनों के पवित्र वायुमंडल में आने का मुझे सौभाग्य मिला जिसके लिए मैं तह दिल से भाई राकेश मेहता जी का शुक्रगुजार हूं। यहां आकर मैं महसूस कर रहा हूं कि यह पवित्रता का वायुमंडल ना सिर्फ इस आश्रम तक सीमित है, बल्कि यह वायुमंडल यहां आस-पास में रहने वाले सब घरों तक भी पहुंचता होगा। आज ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा की जा रही सेवाएं विश्व के कोने कोने में पहुंच रही है।

ब्रम्हाकुमारी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। ब्रह्माकुमारी शांति का दूसरा नाम है। मुझे पूरी आशा है कि मेरी धर्मपत्नी रेनू छिब्बर यहां आकर खुद को बहुत आनंद में महसूस कर रहे होंगे। अंत में उन्होंने सबका शुक्रिया किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यातिथि व कारोबारी भाई गुरदेव दत्त छिब्बर को सम्मानित करती ब्रह्मकुमारी एवं कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु।

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सविता बहन ने बताया शिव की ही रात्रि क्यों?

शिव के साथ रात शब्द इसलिए जुड़ा है क्योंकि वो अज्ञान की अँधेरी रात में इस सृष्टि पर आते हैं। जब सारा संसार, मनुष्य मात्र अज्ञान रात्रि में, अर्थात माया के वश हो जाता है, जब सभी आत्माएं 5 विकारो के प्रभाव से पतित हो जाती हैं, जब पवित्रता और शान्ति का सत्य धर्म व स्वम की आत्मिक सत्य पहचान हम भूल जाते है। सिर्फ ऐसे समय पर, हमे जगाने, समस्त मानवता के उत्थान व सम्पूर्ण विश्व मे फिर से शान्ति, पवित्रता और प्रेम का सत-धर्म स्थापित करने परमात्मा एक साधारण शरीर में प्रवेश करते हैं। मुख्य अतिथि का फूलों की माला से स्वागत किया। सभा में उपस्तिथ शहर की जानी मानी हस्तियों की उपस्तिथि में झंडा फहराया गया। कुमारी सना ने अपने बेहद सुंदर नृत्ये के द्वारा सबका दिल जीत लिया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने सबको मैडिटेशन द्वारा सबको गहन शांति का अनुभव कराया। इस अवसर पर अन्य शहर के जाने माने व्यक्तियों ने अपनी शुभकामनाएं दी।

महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया

दयाल बाग स्थित राजयोग केंद्र शांति धाम में शिव जयंती महोत्सव के दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि व अन्य। (देवदत्त)

अम्बाला छावनी, (मनीष): ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्थित राजयोग केंद्र शांति धाम में शिव जयंती महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली बहन राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीति बहन ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उद्योगपित भाई गुरदेव दत्त छिब्बर उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता रायपुररानी राजयोग केंद्र संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी किरण बहन ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि ने गुरदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में आकर वह खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा की जा रही सेवाएं विश्व के कोने कोने में पहुंच रही हैं।ब्रह्माकुमारी किसी परिचय की मोहताज नहीं है।ब्रह्माकुमारी शांति का दूसरा नाम है। सभा में उपस्थित शहर के मौजिज लोगों ने झंडा फहराया।राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने सबको मैडीटेशन द्वारा सबको गहन शांति का अनुभव कराया।

शिव के अलावा ओर किसी को भी हम 'परम-आत्मा' नहीं कहते, ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को देवता कहते हैं

अंबाला, 19 फरवरी (अग्रवाल) : ब्रह्माकुमारी दयाल बाग स्तिथ राजयोग केंद्र शांति धाम अंबाला कैंट में शिव जयंती महोत्सव का कार्यक्रम किया गया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली, राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रीती ने मंच संचालन किया। मुख्य वक्ता रायपुररानी राजयोग केंद संचालिका ब्रह्माकुमारी किरण ने महाशिवरात्रि का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए कहाकि शिवजयंती का पावन पर्व आने से पहले ही सब में खुशी की लहर आ जाती है। ऐसी शिवजयंती जिसके लिए कहा जाता है कि शिव परमपिता परमात्मा का जन्मदिन या शादी समारोह कहे तो दोनों ही तरफ से, है तो खुशियों भरा दिन। यह दिन हम ईश्वर के इस धरा पर अवतरण के समय की याद में मनाते हैं। शिव के अलावा ओर किसी को भी हम 'परम-आत्मा' नहीं कहते। ब्रह्मा, विष्णु, शंकर को देवता कहते है बाकि सभी है मनुष्य। तो हम उसी निराकार परमपिता (सभी आत्माओ के रूहानी बाप) के अवतरण का यादगार दिवस मनाते है। मुख्य अतिथि शहर के कारोबारी गुरदेव दत्त छिब्बर अपनी धर्मपत्नी रेणु छिब्बर के साथ आये। गुरदेव दत्त ने कहा कि ब्रह्माकुमारी आश्रम में आकर मैं खुद को बहुत ही सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। बहनों के पवित्र वायुमंडल में आने का मुझे सौभाग्य मिला जिसके लिए मैं तह दिल से राकेश मेहता का शुक्रगुजार हूं। यहां आकर मैं महसूस कर रहा हूं कि यह पवित्रता का वायुमंडल ना सिर्फ इस आश्रम तक सीमित है, बल्कि यह वायुमंडल यहां आस-पास में रहने वाले सब घरों तक भी पहुंचता होगा। आज ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा की जा रही सेवाएं विश्व के कोने कोने में पहुंच रही है। ब्रम्हाकुमारी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। ब्रह्माकुमारी शांति का दूसरा नाम है। मुझे पूरी आशा है कि मेरी धर्मपत्नी रेनू छिब्बर यहां आकर खुद को बहुत आनंद में महसूस कर रहे होगे। शिव के साथ रात शब्द इसलिए जुड़ा है क्योकि वो अज्ञान की अंधेरी रात में इस सृष्टि पर आते हैं। जब सारा संसार, मनुष्य मात्र अज्ञान रात्रि में, अर्थात माया के वश हो जाता है, जब सभी आत्माएं 5 विकारो के प्रभाव से पतित हो जाती हैं, जब पवित्रता और शान्ति का सत्य धर्म व स्वम् की आत्मिक सत्य पहचान हम भूल जाते है। सिर्फ ऐसे समय पर, हमे जगाने, समस्त मानवता के उत्थान व सम्पूर्ण विश्व में फिर से शान्ति, पवित्रता और प्रेम का सत-धर्म स्थापित करने परमात्मा एक साधारण शरीर में प्रवेश करते हैं। मुख्य अतिथि का फूलों की माला से स्वागत किया। सभा में उपस्तिथ शहर की जानी मानी हस्तियों की उपस्तिथि में झंडा फहराया गया। सना ने अपने बेहद सुंदर नृत्ये के द्वारा सबका दिल जीत लिया। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा ने सबको मैडिटेशन द्वारा सबको गहन शांति का अनुभव कराया। इस अवसर पर अन्य शहर के जाने माने व्यक्तियों ने अपनी शुभकामनाएं दी।

शिवरात्रि के कार्यक्रम में झंडा पूजन करते हुए गुरदेव दत्त छिब्बर व रेणु छिब्बर।

दैनिक भास्कर 4
पानीपत, सोमवार, 13 फरवरी, 2023

गुरुदेव को मिली डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि

अम्बाला | उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति कर कई बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की सेवा की। उनके इस योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने बौद्ध लोक मावठा कोलंबो में उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि से सम्मानित किया। छिब्बर ने कहा कि वह विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। ये जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने रविवार को पत्रकारवार्ता में दी। फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन छिब्बर ने कहा कि 40 साल में देश-विदेश के सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी

आपातकालीन स्थितियों में मानवता की सेवा की और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

अम्बाला केसरी
www.punjabkesari.in

उद्योगपति जी.डी. छिब्बर को डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से नवाजा

अम्बाला छावनी, 12 फरवरी (मनीष): उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने उन्हें डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है।

इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आपको गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे।

इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्मवाहिनी के प्रदेशाध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राह्मण सभा के

उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर का सम्मान करते हुए। (चंद्रमोहन)

पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। उद्योगपति भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डाक्टर ऑफ हयूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है।

बता दें कि उन्होंने बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है।

जागरण सिटी अंबाला

जीडी छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी से डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि मिली

जागरण संवाददाता, अंबाला : अंबाला के उद्योगपति गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि से सम्मानित किया है। यह सम्मान उनको बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफेंस हाल में आयोजित समारोह के दौरान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति की थी। अंबाला कैंट में राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्मवाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का फरसा देकर उनका अभिनंदन किया।

जीडी छिब्बर, कारोबारी अंबाला

5 हजार रुपये से शुरू की थी कंपनी : जीडी छिब्बर ने बताया कि साल 1997 में उन्होंने मात्र 5 हजार रुपये से अपनी कंपनी को शुरू किया था। इस में उनके साथियों ने भी सहयोग किया। उनकी इच्छा थी कि वे डाक्टर बनें, लेकिन दवा निर्माण में उतर आए। धीरे-धीरे उनकी कंपनियों की बनी दवाइयों की मांग भी बाजार में होने लगी। अब देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अंबाला से बनी दवाइयों की आपूर्ति की जाती है। कोरोना काल में तो काफी मात्रा में दवाइयां विदेशों तक सप्लाई की गई।

यह है नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी : उन्होंने बताया कि नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का विजन एचीवर्स और चैलेंजर्स के कौशल, ज्ञान, क्षमता और योग्यता को अपग्रेड करने के लिए मानव संसाधन के विकास पर फोकस है। अचीवर्स आफ चैलेंजर्स के बेहतर प्रबंधन, कुशल और प्रभावी कार्यान्वयन को सक्षम करना है। मानव कल्याण और प्रतिष्ठा को लाभ पहुंचाने वाले नेताओं की सराहना करना और उन्हे प्रोत्साहित करना है। नए सामाजिक प्रतिमान विकसित करने के लिए जिसके अंतर्गत व्यापक योजनाओं एवं समुदायों के बेहतर और आदर्श जीवन का निर्माण कर सकती हैं, जिनके साथ वे काम करते हैं।

कंपनी के संस्थापक है छिब्बर : जीडी छिब्बर फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन हैं। वे देश ही नहीं विदेशों में भी दवाइयों को सप्लाई करते हैं। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पोते अमृतांश और पोती अगन्या ने भी इस कार्य में सहयोग किया। छिब्बर ने बताया कि परिवार में वे पहले हैं, जिनको डाक्टर की उपाधि मिली है।

गुरुदेव को मिली डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि

अम्बाला | उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में पहुंची कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति कर कई बहुमूल्य जिंदगियों को बचाकर मानवता की सेवा की। उनके इस योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने बौद्ध लोक मावटा कोलंबो में उन्हें डॉक्टर ऑफ ह्यूमेनिटी की उपाधि से सम्मानित किया। छिब्बर ने कहा कि वह विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। ये जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने रविवार को पत्रकारवार्ता में दी। फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड आर्मस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन छिब्बर ने कहा कि 40 साल में देश-विदेश के सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की सेवा की और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणा स्त्रोत रही। उनकी पत्नी रेणु छिब्बर, बेटे पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

जीडी छिब्बर डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित

नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित अम्बाला के उद्योगपति जीडी छिब्बर अपने परिवार के साथा। -हप

अम्बाला शहर (हप्र/निस) : अम्बाला के उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ ह्यूमिनिटी की उपाधि से सम्मानित किया है। उनको यह सम्मान कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाइयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा करने के लिए दिया गया है। उन्हें बौद्धलोक मावठा कोलंबो, श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हॉल में आयोजित भव्य समारोह में इस उपाधि से सम्मानित किया गया। उनको मिले सम्मान से देश, प्रदेश व जिला का गौरव बढ़ा है। आज आयोजित पत्रकार वार्ता में गुरुदेव दत्त छिब्बर ने बताया कि भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे।

दैनिक ट्रिब्यून Mon, 13 February 2023
https://epaper.dainiktribuneon

कोरोना में सस्ती दवाएं देकर बने मिसाल, श्रीलंका में मिली उपाधि

संवाद न्यूज एजेंसी

अंबाला। कोविड के समय में दवाओं की भारी मांग के बीच विदेशी कारोबारी मोटा मुनाफा कमा रहे थे। इस बीच भारत के साथ-साथ करीब 30 देशों में संक्रमण से लड़ने की सस्ती दवाएं देकर अंबाला के उद्योगपति और समाजसेवी डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर ने एक मिसाल कायम की।

यही कारण है कि गुरुदेव दत्त छिब्बर को श्रीलंका की नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें विश्व के सबसे प्रतिष्ठि सम्मान डॉक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया है।

वह फार्मा कंपनी मेक्लीन एंड अरगस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के संस्थापक चेयरमैन हैं। उन्हें यह पुरस्कार नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्ध लोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मेमोरियल इंटरनेशनल कांफ्रेंस हाल में चार फरवरी को आयोजित भव्य समारोह में मिला।

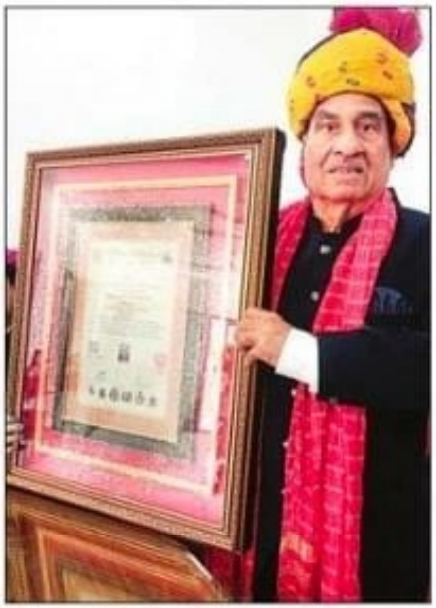

पुरस्कार दिखाते डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर। संवाद

20 से 30 देशों में कर चुके हैं दवा की सप्लाई

बता दें कि उन्हें 1996 और 1997 में आयकर विभाग की ओर से सबसे ज्यादा इनकम टैक्स देने के लिए सम्मान पत्र दिया था। रविवार को उनके निवास पर ब्राह्मण समाज की अलग-अलग संस्थाओं ने सम्मानित किया।

इंडिया से दूसरे नंबर पर मिली थी अनुमति : डॉ. गुरुदेव ने बताया कि एड्स, हेपेटाइटिस बी और सी, स्वाइन फ्लू में दी जाने वाले दवाएं बनाते हैं। इसके अलावा कोरोना में डब्ल्यू एचओ की गाइड लाइन के मुताबिक लोपिनाविर एंड राइटैनोवीर कंबोनेशन विदेशों में भेजा।

फिर उनकी तरफ फैवीप्रवीर नामक दवा देने की अनुमति दी। पूरे देश में उनकी दूसरी कंपनी थी, जिसे एफडीए फूड एंड ड्रग्स एडमिस्ट्रेशन से एक्सपोर्ट करने की अनुमति मिली। विदेशों में बनने वाली दवाओं से बहुत कम दामों में इसे अंबाला से भेजा। अफ्रीका सहित 20 से 30 देशों में यह दवा गई थी।

40 सालों में भूस्खलन, बाढ़ और सुनामी में भी थे मददगार

डॉ. गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदा समय सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है। इसमें उनके परिवार यानी पत्नी रेणु छिब्बर, सुपुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर की अहम भूमिका रही है। 1972 में रेनबैक्सी में बतौर एमआर काम किया। सात साल काम करने के बाद 1979 में अपनी खुद की फैक्टरी बनाई। पहले बाइक व कारों सप्लाई कर पूरे देश में सप्लाई किया। 1995 में यूक्रेन को 23 लाख डॉलर का चावल का निर्यात किया था। तब से लेकर आज तक कभी भी बैंक से एक पैसा लोन नहीं लिया।

पाकिस्तान में बनी थी भाई मतिदास जी की समाधि

पाकिस्तान के गांव करियाला झेलम में भाई मतिदास जी की समाधि बनी थी। वहां से पत्थर और धूल मंगाकर अंबाला कैंट के रामपुर सरसेहड़ी स्थित अपनी फैक्टरी में भी दो समाधि बनाई हैं। एक समाधि बाबा प्रागा जी जोकि 137 साल की उम्र में मुगलों से लड़ाई करते हुए शहीद हुए थे। जबकि भाई मतिदास जी को 9वें सिख गुरु तेग बहादुर के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में आरे से चिरवाया गया। उनकी समाधि अपनी फैक्टरी बनाई है। इसके अलावा फैक्टरी में एक महालक्ष्मी का भी भव्य मंदिर बनाया है। इसमें आठ फीट की काले पत्थर की प्रतिमा लगाई है। जोकि बंग्लूरू के आगे कलोल से मंगाई गई थी।

सत्य–निडर एवं निष्पक्ष हिन्दी सांध्य दैनिक

उभरता हरियाणा

मुख्य सम्पादक : लोकेश दत्त मेहता

आर.एन.आई. रजि. नं. 51558/93 पोस्टल रजि. नं. HR/AB/106/21-23

वर्ष : 31, अंक : 41 रविवार, 12 फरवरी 2023 e-mail : pressubh@gmail.com पेज : 8, मूल्य : 1 रुपये

अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित

उभरता हरियाणा, अम्बाला (लोकेश दत मेहता) उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरूदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रहम वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरूदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया।

यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित

सम्मान डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है। उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कान्फ्रैंस हाल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया।

इस अवसर पर उद्योगपति गुरूदेव दत्त छिब्बर ने डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करने के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढकर सेवा की है और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणास्त्रोत रही उनकी जीवनसंगिनी रेणु छिब्बर, सुपुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है।

उन्होंने अपने जीवन परिचय के बारे में बताते हुए कहा कि आज उनके लिए बड़ा ही खुशी का दिन है, उनके परिवार में डाक्टर की उपाधि पाने वाले पहले वह पारिवारिक सदस्य हैं। उन्होने यह भी बताया कि डाक्टर बनने का सपना उनका बचपन से ही था। उनका परिवार भी चाहता था कि वह डाक्टर बनें लेकिन किन्ही कारणों के चलते हुए वह ड क्टर नही बन पाए थे। उन्होंने लगभग 18 साल 3 महीने की उम्र में लगभग 7 वर्ष रनबैक्सी कंपनी में मैडिकल रिप्रैंजटेटिव के तौर पर कार्य किया और उस कार्य को पूरी लग्न व मेहनत के साथ किया। उनके मन में आया कि यदि हम दवाईयां बेचते हैं तो क्यों न इसकी शुरूआत हम यहीं से करें।

उन्होने यह भी बताया कि 1997 में मात्र 5 हजार रूपये जब उनके पास थे तो उनके साथियों के सहयोग से उन्होंने मैडिकल लाईन में कार्य शुरू किया और भगवान की कृपा से आज उनके यहां जो दवाईयां बनाई जाती है उन्हें बाहर भेजने का काम किया जाता है। उन्होने यह भी बताया कि उनके मन में डाक्टर बनने की प्रबल इच्छा थी।कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि मिलने पर उनका यह सपना पूरा हो गया है। इस उपाधि को मिलने पर वे अपने आप को काफी गौरवांतित महसूस करते हैं। कोलंबो में आयोजित सैरामनी में पारिवारिक सदस्यों की उपस्थिति में उन्हें जो यह उपाधि मिली है उसकी वीडियो भी प्रेसवार्ता में दिखाई गई।

2 लोगों का मर्डर, व्यक्ति की परने से गला घोंटकर हत्या, युवक को मारने के बाद खेतों में फेंका

उभरता हरियाणा, अम्बाला (लोकेश

बाहर निकली हुई थी। शव के पास

मुलाना में युवक की हत्या, खेतों

12:59 86%

अजीत समाचार चंडीगढ़

भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि से नवाज़ा

कोलम्बो में नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी जीडी छिब्बर को डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करते हुए।

अंबाला, 12 फरवरी (अग्रवाल): उद्योगपति एवं समाजसेवी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरुदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राह्मण सभा के पदाधिकारियों ने गुरुदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का फरसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अंबाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है। उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कान्फ्रेंस हाल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरुदेव दत्त छिब्बर को डाक्टर ऑफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया। इस अवसर पर उद्योगपति गुरुदेव दत्त छिब्बर ने डाक्टर आफ ह्यूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित करने के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीते 40 वर्षों में देश विदेश के आपदाकाल सुनामी, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपातकालीन स्थितियों में मानवता की बढ़-चढ़कर सेवा की है और समाजसेवा के क्षेत्र के तहत कार्य करने के लिए उनकी प्रेरणास्त्रोत रही। उनकी जीवनसंगिनी रेणु छिब्बर, पुत्र पवन छिब्बर, पुत्रवधु प्रीति छिब्बर, पौत्र अमृतांश और पौत्री अगन्या का भी अहम योगदान है। उन्होंने अपने जीवन परिचय के बारे में बताते हुए कहा कि आज उनके लिए बड़ा ही खुशी का दिन है। उनके परिवार में डाक्टर की उपाधि पाने वाले वे पहले पारिवारिक सदस्य हैं। उन्होने बताया कि डाक्टर बनने का सपना उनका बचपन से ही था। कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है।

शाहाबाद : मिस सतलुज व मिस्टर सतलुज के साथ प्रधानाचार्य व अन्य।

भावना को मिस सतलुज व हिमांशु कुश को मिस्टर सतलुज के खिताब से नवाज़ा

शाहाबाद मारकंडा, 12 फरवरी (विजय कुमार) : सतलुज स्कूल के प्रांगण में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को विदाई पार्टी दी गई। पार्टी में सभी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन द्वारा की गई। इस मौके पर स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. आरएस घुम्मन ने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिये ... अवसर पर बच्चों ने ग्रुप डांस, कविता गायन, गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इस विदाई पार्टी में कक्षा 12वीं की आर्ट्स से भावना को मिस सतलुज व कक्षा 12वीं कॉमर्स से हिमांशु कुश को मिस्टर सतलुज के खिताब से नवाजा इसके साथ-साथ अलीशा को मिस ईव व भूपति मिस्टर ईव, जान्वी को मिस चार्मिंग व वंश को मिस्टर चार्मिंग, आकांक्षा को ...

पानीपत शुगर मिल में अभी तक 35.21 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई

पानीपत, 12 फरवरी (बिजेंद्र सिंह) : पानीपत का सहकारी शुगर मिल अपनी 50 हजार क्विंटल रोजाना पिराई क्षमता पर चल रहा है। मिल में रोजाना 50 हजार क्विंटल से भी ज्यादा गन्ने की पिराई हो रही है। पानीपत शुगर मिल में रविवार सुबह 6 बजे तक 35.21 लाख क्विंटल गन्ने की पिराई हो चुकी है। मिल के पिराई सत्र का शुभारंभ 15 नवंबर को सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल ने किया था। वहीं शुगर मिल की 28 मेगावाट क्षमता की टरबाईन द्वारा रोजाना 22 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। जिसमें से शुगर मिल को चलाने के लिये 8 मेगावाट बिजली यूज हो रही है और बाकि 14 मेगावाट बिजली एचवीपीएन के नौल्था पॉवर हाउस को सप्लाई की जा रही है। डाहर शुगर मिल के पॉवर सब स्टेशन से रविवार सुबह 6 बजे तक 1.55 करोड़ यूनिट बिजली नौल्था पॉवर को सप्लाई की जा चुकी है। वहीं पानीपत शुगर

भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी ने डॉक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से किया सम्मानित

अम्बाला न्यूज

अम्बाला शहर। उद्योगपति एवं समाजसेवी भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर ने कोरोना आपदा के समय विश्व के अनेक देशों में एंटी कोविड जीवन रक्षक दवाईयों की आपूर्ति करके अनेक बहुमूल्य जिंदगियों को बचा कर मानवता की महान सेवा की है। उनके इस अभूतपूर्व योगदान के लिए नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी उन्हें डॉक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से सम्मानित किया गया है और भविष्य में वे इसी प्रकार आपदा के समय में पूरे विश्व में मानवता की सेवा के अपने मिशन को जारी रखेंगे। यह जानकारी गुरूदेव दत्त छिब्बर ने आज आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान दी। इस उपाधि को मिलने पर वह अपने आप को गौरवांतित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रहम वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष जंगशेर शर्मा व अन्य ब्राहमण सभा के पदाधिकारियों ने गुरूदेव दत्त छिब्बर को पगड़ी व भगवान परशुराम का परसा देकर उनका अभिनंदन भी किया। यहां बता दें कि फार्मा कंपनी मैक्लीन एंड अर्गस फार्मास्यूटिकल्स लिमिटिड के संस्थापक चेयरमैन पद पर विराजमान अम्बाला के प्रसिद्ध उद्योगपति भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से विश्व के सबसे प्रतिष्ठित सम्मान डॉक्टर ऑफ हयूमैनिटी उपाधि 2023 से नवाजा गया है। उन्हें नेल्सन मंडेला पीस यूनिवर्सिटी की ओर से बौद्धलोक मावठा कोलंबो श्रीलंका स्थित भंडारनायके मैमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रैंस हॉल में आयोजित भव्य समारोह में भाई गुरूदेव दत्त छिब्बर को डॉक्टर ऑफ हयूमैनिटी की उपाधि से नवाजा गया।

पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल में बेबी शो का हुआ आयोजन

अम्बाला न्यूज

अम्बाला। पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में नर्सरी विंग के बच्चों द्वारा बेबी शो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में 400 से ज्यादा बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ इन्लाइटनिंग व डीएवी गान से किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना की तथा महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200 वीं जयंती पर सभी को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने स्वामी जी के बारे में बताया कि वह एक सुधारक थे, जिनका भारत पर गहन प्रभाव पड़ा। महर्षि दयानंद सरस्वती जी जातिवाद सिस्टम की निंदा करते थे। वह आदमी औरत के समान अधिकार को प्रोत्साहित करते थे। पहला डीएवी स्कूल 1886 में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की कल्पना को पूरा करने के लिए खोला गया। तबसे पूरे विश्व में डीएवी संस्था काम कर रही है। वह उनकी विचारधारा का प्रचार प्रसार कर रही है। उन्होंने बच्चों को महर्षि दयानंद सरस्वती जी के पद चिन्हों पर चलने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में आए मेहमानों व अभिभावकों का स्वागत वेलकम सॉन्ग से किया गया।

विश्व रेडियो दिवस आज

रेडियो की शक्ति लोगों को एक साथ लाने, सूचित करने और शिक्षित करने, मनोरंजन करने और सामाजिक परिवेश से रूबरू कराने के लिए है। सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग अपने फसंदीदा रेडियो स्टेशनों के प्रोग्राम सुनते हैं, चाहे वह नवीनतम समाचारों के लिए हो, दिल को छू लेने वाले गीत हों, या बस कुछ हल्के-फुल्के हास्य हों-रेडियो उनके दैनिक जीवन का साउंडट्रेक है। विश्व रेडियो दिवस रेडियो की शक्ति का जश्न मनाता है; यह एक साथी की तरह है जो जोड़ता है, सूचित करता है और एकजुट करता है। विश्व रेडियो दिवस प्रतिवर्ष 13 फरवरी को लोगों को एक साथ लाने; संचार और समझ को बढ़ावा देने में रेडियो की शक्तिशाली भूमिका को पहचानने के लिए मनाया जाता है। यूनेस्को ने 2011 में यह दिवस आरंभ किया था। इस दिवस के आयोजनों में नए दर्शकों तक पहुंचने, समुदायों को जोड़ने और शांति को बढ़ावा देने के लिए रेडियो का उपयोग करने के कई तरीकों की ओर ध्यान खींचने जैसे कार्य किए जाते हैं।

जिला न्यायालय, अम्बाला व सब डिवीजन नारायणगढ़ मे राष्ट्रीय लोक अदालत का किया गया आयोजन

अम्बाला न्यूज

अम्बाला। जिला एवं सत्र न्यायधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सुश्री नीरजा कुलवंत कालसन की अध्यक्षता मे आज जिला न्यायालय, अम्बाला व सब डिवीजन नारायणगढ़ मे राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया। सी जे एम एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डा. सुखदा प्रीतम ने बताया कि इस लोक अदालत मे जिला अम्बाला व सब डिवीजन नारायणगढ़ की 10 अदालतों मे लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 13613 मुकदमे रखे गए और 9399 मुकदमों का निपटारा हुआ। चालान के मुकदमों मे 214200 रुपए की राशि पर जुर्माना जमा किया गया और 19332000 रुपए की धनराशि पर मोटर यातायात दुर्घटना के मुकदमों का निपटारा हुआ। इसके अलावा प्री लिटिगेशन स्टेज पर स्थायी लोक अदालत मे बैंक व पानी व टैलीफोन संबंधी के 3385 मुकदमें लोक अदालत मे रखे गए व 1376 मुकदमों का निपटारा हुआ एवं 4722303 रुपए की धनराशि का निपटारा हुआ। इसके अलावा उन्होने बताया कि अमित कुमार सोनी, एडवोकेट, आदित्य बिरला ग्रुप ने लोक अदालत के माध्यम से सैंकड़ों मुकदमों का निपटारा किया है।

अर्बन एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन ने एचसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर डॉक्टर नीलम मेहरा को किया सम्मानित

अम्बाला न्यूज

अम्बाला। अर्बन एस्टेट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 8 अंबाला शहर द्वारा सेक्टर निवासी डॉक्टर नीलम मेहरा को एचसीएस की परीक्षा में उत्तीर्ण करने पर उन्हें शुभकामनाएं दी व सम्मानित किया। संस्था के प्रधान अमरदीप सिंगला ने बताया कि डॉक्टर नीलम मेहरा एवं उनके पति डॉक्टर सौरभ गुप्ता सेक्टर-8 के पुराने निवासी हैं एवं सेक्टर की बेहतरी के लिए निरंतर कार्य करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति दृढ़ संकल्प से एक लक्ष्य अपने मन में धारण कर लेता है और उसके लिए अथक परिश्रम करता है तो उसके लिए अनेकों रास्ते खुल जाते हैं। डॉ. नीलम भी गत कई वर्षों से लगातार अलग-अलग परीक्षाएं देते हुए अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर थीं। उनका चयन सभी परीक्षार्थियों के लिए प्रेरणादाई है क्योंकि उन्होंने पहले से एक व्यस्त सरकारी कर्मचारी होते हुए घर का ध्यान रखने के साथ-साथ इस परीक्षा की तैयारी की, और उसे पास किया। इस अवसर पर संस्था के कोषाध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, उप प्रधान संजय गोयल, सेक्टर 9 के पूर्व सचिव चमन अग्रवाल भी उपस्थित थे।

कृमि से छुटकारा सेहतमंद भविष्य हमारा: सिविल सर्जन डॉ. कुलदीप सिंह

अम्बाला न्यूज

अम्बाला। सिविल सर्जन डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान 10 फरवरी से 17 फरवरी 2023 तक मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत एक वर्ष से 19 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को कृमि नियंत्रण की दवाई जिले के सभी स्कूलों (सरकारी व निजी) और आंगनवाड़ी केन्द्रों में निःशुल्क दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण से बचाव बारे निम्नलिखित सावधानियां बरते जैस नाखून साफ और छोटे रखें, हमेशा साफ पानी पीएं, अपने हाथ साबुन से धोएं, विशेषकर खाने से पहले और शौच जाने के बाद, साफ पानी से फल व सब्जियां धोएं, खाने को ढक कर रखें, खुले में शौच न करें, हमेशा शौचालय का प्रयोग करें, जूते पहनें, आस-पास सफाई रखें।

उन्होंने कहा कि जो बच्चें अनुपस्थिति या बीमारी के कारण छूट जाएंगें तो उन्हें यह दवाई 17 फरवरी 2023 को मॉप-अप दिवस पर अवश्य खिलवाएं। अधिक जानकारी के लिए एएनएम, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से सम्पर्क करें।